No. of Printed Pages : 6 **MGP–002**

M. A. IN GANDHI AND PEACE STUDIES (MGP)

Term-End Examination

December, 2025

MGP-002 : PHILOSOPHY OF GANDHI

Time : 2 Hours *Maximum Marks : 50*

Note : *Attempt any* ***five*** *questions in about* ***400*** *words each. Select at least* ***two*** *questions from Section. Each question carries 10 marks.*

Section—I

1. Discuss how Gandhiji synthesized multiple religious and philosophical traditions into a coherent personal philosophy.
2. Analyse Gandhi's concept of trusteeship and its relevance to present-day corporate world.

3. Are Gandhian principles of non-violent conflicts resolution viable in addressing today's violent ethnic and civil strife ? Critically assess with Global case illustrations.
4. Do you agree with Gandhi's assessment in Hind Swaraj that modern civilization is irreligious and unsustainable ? Substantiate your answer.
5. Evaluate Gandhi's concept of 'Nai Talim' as an alternative model of education in the 21st century.

Section—II

6. In what ways does Gandhiji's concept of Swaraj confront the philosophical foundation of liberal democracy ? Critically examine with at least *three* significant points.
7. Highlight Gandhiji's perspective on human nature and its implications for his vision of social reform.

8. Explain the role of Vedanta and Bhakti Movement in shaping Gandhiji's concept of selfless action (Anashkti Yoga).
9. Analyse the Gandhiji's principle of Swadeshi and its role in promoting self-reliance and economic interdependence.
10. Critically evaluate how principles drawn from Indic religious traditions shaped Gandhiji's ethical framework and spiritual world view.

MGP–002

एम. ए. (गांधी और शांति अध्ययन)

(एम. जी. पी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.जी.पी.-002 : गांधी का दर्शन

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लगभग **400** शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम-से-कम **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

भाग – I

1. व्याख्या कीजिए कि गांधीजी ने कैसे विविध धर्मों तथा दार्शनिक परम्पराओं को सुसंगत व्यक्तिगत दर्शन में संश्लेषित किया।

2. गांधी के ट्रस्टीशिप के सिद्धांत तथा वर्तमान समय में कॉर्पोरेट जगत् में इसकी प्रासंगिकता पर विश्लेषण कीजिए।

3. क्या आज के नृजातीय तथा नागरिक संघर्षों के समाधान में गांधीवादी अहिंसक संघर्ष समाधान के सिद्धान्त व्यावहारिक रूप से कारगार सिद्ध हो सकते हैं ? वैश्विक उदाहरणों के साथ समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

4. क्या आप गांधी के हिन्द स्वराज में किये गये विश्लेषण से सहमत हैं कि आधुनिक सभ्यता अधार्मिक और अस्थायी है ? अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए।

5. गाधंी की 'नये तालीम' की अवधारणा का 21वीं सदी में शिक्षा के एक वैकल्पिक मॉडल के रूप में मूल्यांकन कीजिए।

भाग–II

6. किस प्रकार गांधीजी स्वराज की अवधारणा उदार लोकतंत्र की दार्शनिक नींव को चुनौती देती है ? कम-से-कम **तीन** महत्वपूर्ण बिंदुओं के साथ विश्लेषण कीजिए।

7. गांधीजी के मानव स्वभाव संबंधी दृष्टिकोण तथा इसके सामाजिक सुधार की अवधारणा पर प्रभाव को रेखांकित कीजिए।

8. गांधीजी के निस्वार्थ कर्म (अनासक्ति योग) की अवधारणा के निर्माण में वेदांत तथा भक्ति आंदोलन की भूमिका पर चर्चा कीजिए।

9. गांधीजी के स्वदेशी के सिद्धांत का विश्लेषण कीजिए तथा आर्थिक पारस्परिक निर्भरता को बढ़ावा देने में इसकी भूमिका का विश्लेषण कीजिए।

10. विश्लेषण कीजिए कि किस प्रकार भारतीय धार्मिक परम्परा से प्राप्त सिद्धांतों ने गांधीजी की नैतिक तथा आध्यात्मिक विश्व दृष्टि को आकार दिया।

× × × × ×